

**पणिपगइ आरारा.** पगलेपगले, पाछळ-  
पाछळ; **प्राचीसं.** पदेपदे, [डगले ने  
पगले, बधे ज समये]; **गुर्जरा.** पगलं-  
पगले, दरेक पगले

**पषवाह प्रद्युचु.** पांगोटुं, पेंगडुं

**पचइ उक्तिर.** षडाबा. रंधाय (सं.पच्यते);  
अखाका. अखाछ. मग्न थाय, रच्या-  
पच्या रहे

**पचखाण आरारा.** उक्तिर. ऐतिका. नलरा.  
कोई वस्तुनो त्याग करवानी प्रतिज्ञा (सं.  
प्रत्याख्यान)

**पचखुं आरारा.** ऐतिका. त्यागनो नियम  
करं

**पचतालीस उक्तिर.** पिस्ताळीस (सं.पञ्च-  
चत्वारिंशत्)

**पचवी चतुचा.** दकेली ?, [\*परिपक्व]

**पचव्यं नलाख्या.** पकवेलुं, रांधेलुं (सं.पच)

**पचराइ उक्तिर.** नेमिछं. प्रद्युचु. महेणुं मारे,  
[उपालंभ आपे, टोणा रूपे कही बतावे]  
(अप.पच्चार); **अंगवि.** महेणां देतां  
आह्वान आपे

**पचिवउं उपवा.** ऊकळवुं, [शेकावुं] (सं.  
पच्यते); **उक्तिर.** रांधवुं

**पचवखाण जिनरा.** त्याग(नुं) व्रत) (सं.  
प्रत्याख्यान)

**पचवखु ऐतिका.** प्रत्यक्ष

**पचल प्राचीसं.** समर्थ [दि.]

**पचलु तेरका.** पाछळ [सं.पश्च+ल]

**पछिम उक्तिर.** पाछळ; **तेरका.** पश्चिम दिशा

**पछिमहरए प्राचीसं.** घरना पाछळना भागे

[सं.पश्चिमगृहे]

**पछेबडी षडाबा.** पछेडी [सं.प्रच्छदपट]

**पछेबाणु गुर्जरा.** पाछलो भाग, [पाछळ  
रहेवुं ते] (\*सं. पश्चादनीक)

**पछोकडु उक्तिर.** पाछळनो भाग (सं.पश्च  
परथी); **जुओ** पछोकडउ

**पछताविय प्राचीसं.** पस्ताईने, [पस्तावो  
पामीने] (सं.पश्चात्तापिता)

**पछिता- वीसरा.** पस्तावो करवो (सं.  
पश्चात्ताप)

**पछिम आरारा.** पश्चिम, पाछलो

**पछेवडउ अंबरा.** उक्तिर. ऐतिरा. पछेडो  
(सं. प्रच्छदपट)

**पछोकडउ उक्तिर.** पाछळनो भाग (सं.पश्च  
परथी); **जुओ** पछोकडु

**पजावो प्रेमाका.** भट्टी, [निंभाडो]

**पजुन्न तेरका.** प्राचीसं. प्रद्युन्न

**पजून प्रद्युचु.** प्रद्युन्न

**पजूसण उक्तिर.** उपवा. ऐतिका. पर्युषण  
पर्व [जै.] [सं.पर्युपवसन]

**पजोडी (पंजेटी) मदमो.** पंजेटी, खंपाळी

**पञ्चंगि ऐतिका.** पांच अंगनुं

**पट कामा(त्रि).** चित्तसं. चित्रनो कागळ के  
पडदो; **अखाका.** नरका-२. प्रेमप. वस्त्र

**पटउ उक्तिर.** राजगादी (सं.पटः)

**पटउलउं गुर्जरा.** नलरा. विराप. उत्तम  
रेशमी वस्त्र, पटोळुं (सं.पट्टुकूल)

**पटउलडी प्राचीफा.** उत्तम रेशमी वस्त्र,  
पटोळी, पटोळुं